MAKHANLAL CHATURVEDI NATIONAL UNIVERSITY OF JOURNALISM AND COMMUNICATION

// UNIVERSITY LIBRARY //

-: NEWS CLIPPING SERVICE -:

DATE :- 18 August, 2026

MCU NEWS

अभ्युदय 2026 आज से

एमसीयू में मंगलवार से तीन दिवसीय सत्रारंभ 'अभ्युदय 2026' शुरू होगा। थीम 'मैं और मेरा विश्वविद्यालय' है। चीफ गेस्ट अभिनेता-लेखक पीयूष मिश्रा विद्यार्थियों से संवाद करेंगे। 35 वर्षों के 50 पूर्व विद्यार्थी भी अनुभव साझा करेंगे। समापन 20 अगस्त को होगा।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
DAINIK BHASKAR 18-08-2026

'परमाणु ऊर्जा को सरल भाषा में समझाए मीडिया'

सिटी रिपोर्टर • माखनलाल यूनिवर्सिटी में सोमवार को 'परमाणु ऊर्जा तकनीक की सफलता में मास मीडिया की भूमिका' विषय पर वर्कशॉप का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में वैज्ञानिकों और मीडिया विशेषज्ञों ने परमाणु ऊर्जा से जुड़े मिथकों, संभावनाओं और जनजागरूकता में मीडिया की भूमिका पर चर्चा की।

आईएनएस अध्यक्ष वीके मनचंदा ने कहा कि परमाणु ऊर्जा को लेकर समाज में मौजूद डर और भ्रांतियों को दूर करने के लिए वैज्ञानिक तथ्यों को सरल भाषा में लोगों तक पहुंचाना जरूरी है। बीएआरसी की डॉ. अर्चना मिश्रा ने बताया कि परमाणु तकनीक का इस्तेमाल बिजली उत्पादन के अलावा कृषि में भी हो रहा है। डॉ. ऋषिकेश मिश्रा ने बताया कि भारत वर्तमान में 8.8 गीगावाट परमाणु ऊर्जा विकसित कर रहा है और इसे 100 गीगावाट तक ले जाने का लक्ष्य है। वैज्ञानिक अनादि कुमार सिन्हा ने विद्यार्थियों को टीमवर्क, संचार और समय प्रबंधन के गुर बताए।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
DAINIK BHASKAR 18-08-2026

देश के परमाणु वैज्ञानिकों ने छात्रों ने किया संवाद, बताया यह दुनिया का भविष्य

परमाणु विनाश नहीं विकास का नया सोर्स, इसके प्रति डर ठीक नहीं

पत्रिका Plus रिपोर्टर
patrika.com

भोपाल. परमाणु ऊर्जा भविष्य है। ये तबाही नहीं बल्कि बेहत सेहत, एग्रीकल्चर में बहुत कारगर है। ऊर्जा संकट के दौर में इससे आत्मनिर्भर हो रहे हैं। इसका डर भ्रांति है। यह बात देश के परमाणु वैज्ञानिकों ने छात्रों से रूबरू होते हुए कही। वैज्ञानिकों ने स्पष्ट किया कि परमाणु ऊर्जा का उपयोग केवल बिजली बनाने या हथियारों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध हमारी थाली, खेती और सेहत से है। इंडियन न्यूक्लियर सोसाइटी के अध्यक्ष और देश के वरिष्ठ परमाणु वैज्ञानिक वीके मनचंदा सहित भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिकों ने छात्रों से संवाद किया। आयोजन माखनलाल चतुर्वेदी विवि में हुआ। इन्होंने बताया अनजाना डर है। इसे दूर करने में मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है।

ये वैज्ञानिक शामिल

इंडियन न्यूक्लियर सोसाइटी के प्रेसिडेंट वीके. मनचंदा, विशिष्ट अतिथि वैज्ञानिक अनादि कुमार सिन्हा, ओपी राय, डॉ. अर्चना मिश्रा, डॉ. ऋषिकेश मिश्रा उपस्थित रहे। कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी, कुलसचिव पी शशिकला, डीन अकादमिक डॉ. मनीष माहेश्वरी सहित स्टूडेंट सेशन में शामिल रहे।

खेती में परमाणु चमत्कार: 72 नई किस्में और 8 महीने तक आलू-प्याज की सुरक्षा: भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र की वैज्ञानिक डॉ. अर्चना मिश्रा ने बताया कि विकिरण तकनीक से कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आए हैं। मूगफली केले सहित फसलों की 72 उन्नत किस्मों का विकास किया है। प्याज और आलू के अंकुरण को रोककर उनकी भंडारण क्षमता 8 महीने तक बढ़ा दी गई है।

कचरा से भी ऊर्जा, 100 गीगावाट का बड़ा लक्ष्य: तकनीकी सत्र में डॉ. ऋषिकेश मिश्रा ने 'न्यूक्लियर फ्यूल साइकल' के बारे में बताया। कहा इस्तेमाल हो चुके ईंधन (स्पेंट फ्यूल) के रीप्रोसेसिंग मॉडल से कचरे को भी संसाधन में बदला जा रहा है। भारत वर्तमान में 8.8 गीगावाट परमाणु ऊर्जा का उत्पादन कर रहा है, जिसे बढ़ाकर 100 गीगावाट तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है।

परमाणु का डर निकालने देश में हो रहा काम, अनुसंधान के स्कालरशिप: इंडियन न्यूक्लियर सोसाइटी देशभर में परमाणु ऊर्जा से जुड़े डर को खत्म करने के लिए काम कर रही है। इसी कडी में आयोजन था। संस्था की स्थापना 1988 में जेआरडी टाटा ने की थी। 5600 सदस्य हैं। अमेरिकन, फ्रेंच व जापानी न्यूक्लियर सोसाइटी के साथ एमओयू हैं। आईएनएस एफटीजीएस छात्रवृत्ति दे रहा है। यह परमाणु अनुसंधान में मदद करती है।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
PATRIKA 18-08-2026